प्रिय ग्राहक,

सिंडिकेटबैंक ने महत्वपूर्ण कारोबारी अवरोध की संभावना को बहुत पहले से स्वीकारा है और पिछले कई वर्षों से एक विस्तृत कारोबार निरंतरता प्रक्रिया बनाने के कार्य में लगा है जिसका उद्देश्य किसी भी प्रकार के महत्त्वपूर्ण कारोबारी अवरोध (जैसे, कार्मिकों, सुविधा और आईटी बुनियादी ढांचे की कमी) के प्रभाव को कम करना है। कारोबारी अवरोध, महत्त्वपूर्ण व्यवधानों की कमी से होता है, जो बैंक को महत्त्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने से रोकता है। आज कल कारोबार निरंतरता योजना (बीसीपी), कारोबार अवरोध और प्रणाली की विफलता के चलते होने वाले प्रभावों को कम करने के लिए दूर्वापेक्ष बन चुकी है। कारोबार निरंतरता योजना, का मुख्योद्देश्य कारोबार को समग्र/ आंशिक रूप से प्रभावित करने वाली घटना के होने से पहले, घटना के दौरान और घटना के बाद ली जाने वाली कार्रवाई, प्रयोग किए जाने वाले संसाधन अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया के बारे में दस्तावेज़ी विवरण प्रदान करना है।

सिंडिकेटबैंक की कारोबार निरंतरता योजना (बीसीपी)

बीसीपी का लक्ष्य, व्यवधान के बदलते स्तरों के अनुरूप परिचालन में बढ़ोत्तरी या बदलाव हासिल करने हेतु क्रियात्मक प्रक्रियाओं का निर्माण करना है। प्रक्रियाएँ बैंक की बीसीपी के विभिन्न पहलुओं के लिए जिम्मेदार बैंक कार्मिकों की संपर्क सूचना प्रदान करती है और इसमें निम्नांकित पहल शामिल है:

1) कर्मचारियों के जीवन और बैंक की संपत्ति की रक्षा करना
2) कारोबार की निरंतरता को बनाए रखने के लिए परिचालन का समुत्थान
3) कारोबारी अवरोध कि स्थिति का मूल्यांकन करना तथा उचित कार्रवाई शुरू करना
4) आपकी निधि एवं अन्य सेवाओं के लिए आपको एक्सेस प्रदान करना
5) बैंक एवं कर्मचारियों, नियामकों एवं ग्राहको के बीच संपर्क प्रक्रिया की स्थापना
6) बैंक बही एवं रिकॉर्ड का रख-रखाव

आपके लिए निरंतर, विश्वसनीय सेवा सुनिश्चित करने के लिए, हमारे मुख्य कारोबार और कार्य संस्थान में से प्रत्येक, समय-समय पर कारोबार निरंतरता योजना (बीसीपी) का संचालन एवं परीक्षण करते हैं। बीसी योजनाएं निर्धारित कार्य-नीति और भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों पर आधारित होती हैं। निर्धारित वसूली समय-सीमा के भीतर महत्त्वपूर्ण कारोबारी प्रक्रियाओं तथा आईटी प्रणालियों के प्रावधान को सुनिश्चित करने के लिए बीसी योजनाओं का निर्माण किया गया है। निश्चित अंतराल पर तथा साथ ही साथ लाइव ऑपरेशन के पश्चात, बीसी योजनाओं की समीक्षा, अद्यतन तथा परीक्षण किया जाता है। बैंक ने, वसूली समय लक्ष्य के भीतर, आईटी समर्थित परिचालनों के वसूली के लिए बैंक को सक्षम बनाने हेतु आपदा वसूली योजना के लिए नीति तथा तंत्र बनाया है।

भूमिका एवं उत्तरदायित्व

बीसीपी ने भूमिकाओं एवं उत्तरदायित्वों को परिभाषित किया है जो कॉरपोरेट मानकों में प्रलेखित है। यह बैंक में निरंतर और प्रभावी दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है और इससे एक कुशल सोद्देशीय व्यवसाय निरंतरता क्षमता का विकास होता है।

शाखाओं एवं क्षेत्रीय कार्यालय स्तरों पर कारोबार निरंतरता टीम (बीसीटी) का गठन किया गया है जबकि कॉरपोरेट कार्यालय में कारोबार निरंतरता प्रबंधन टीम (बीसीएमटी) कार्य करता है। क्षेत्रीय कारोबार निरंतरता टीम, प्रभावी बीसी योजनाओं और वसूली प्रक्रियाओं के विकास, कार्यान्वयन, परीक्षण और संचालन के लिए बैंक

के भीतर सभी कारोबारी इकाइयों को विशेषज्ञ सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करती है। बैंक के कॉरपोरेट मानकों के अनुपालन की क्षेत्रीय स्तर पर निगरानी, कारोबार निरंतरता टीम द्वारा की जाती है।

संकट प्रबंधन एवं कार्यान्वयन

बैंक के जोखिम प्रबंधन विभाग, किसी भी कारोबार विवाद जो, बैंक के महत्वपूर्ण कारोबार परिचालनों को को प्रभावित करने की क्षमता रखती है, के आकलन अनुमान तथा प्रबंधन करने के लिए बैंक के पास स्पष्ट रूप से परिभाषित, प्रलेखित और परीक्षित संकट प्रबंधन प्रक्रिया का रख-रखाव करता है। इसमें संकट संपर्क और वृद्धि प्रक्रिया शामिल है जिसका नियमित रूप से परीक्षण किया जाता है। इसके अतिरिक्त, कारोबारी व्यवधानों के बदलते स्तरों की प्रतिक्रिया में बैंक के बीसी योजनाओं का कार्यान्वयन किया गया है। कारोबार व्यवधान की प्रकृति, हमारी कार्यान्वित योजनाओं के सभी या कुछ भाग को प्रभावित करती है। अर्थात्, एक घटना इमारत कारोबारी परिचालनों को बाधित कर सकती है जहां बैंक स्थित है या उस शहर या क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। जहां हमारा परिचालन स्थित हैं। इन घटनाओं के प्रति हमारी प्रतिक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

निधि एवं अन्य सेवाओं के लिए ग्राहक अभिगम/एक्सेस

यदि निधि एवं अन्य सेवाओं के प्रति आपकी सामान्य एक्सेस महत्वपूर्ण कारोबारी व्यवधानों द्वारा प्रभावित होने पर है तो, हम आपको www.syndicateBank.in के माध्यम से आपको उपयुक्त बैंक संपर्की संबंधी जानकारी प्रदान करेंगे।

कारोबार निरंतरता और पुनः प्राप्ति उपाय

महत्वपूर्ण कारोबार के शीघ्र पुनः प्रापण को सुविधापूर्ण बनाने के लिए और घटना के पश्चात अपेक्षित कार्य समर्थन प्रदान करने के लिए बैंक के पास अनुकूलित पनःप्रापण उपाय युक्त एक व्यापक पुनः प्रापण कार्यक्रम मौजूद है इसके उदाहरण इस प्रकार हैं:

• वैकल्पिक साइट

बैंक के पास स्व-प्रबंधित, समर्पित आपातोपयोगी सुविधा है जिसका नाम नियर साइट और आपदा वसूली साइट है। ये सभी वसूली साइटें, कारोबार की आवश्यकताओं को प्रदान करने के लिए हॉट-स्टैंडबाइ आधार पर समर्पित और बुनियादी ढांचे प्रदान करते हैं। सभी वसूली साइट भौतिक रूप से अलग किया जाता है ताकि समान प्रकार के घटना से दोनों साइटों को एक साथ बाधित होने से को बचाया जा सके।

• सुदूर अभिगम/एक्सेस

बाधित परिस्थितियों में नजदीकी स्टाफ शाखाओं से बैंक की प्रणाली पर कार्य कर सकते हैं।

सेवा प्रदाता

सिंडिकेटबैंक के कारोबार निरंतरता संगठन के साथ अनुकूल होने के लिए सेवा प्रदाताओं से एक संविधा के तहत अपेक्षा की जाती है कि उनके सामान्य परिचालन बाधित होने पर उचित निष्पादन को सुरक्षित रखने के लिए इस प्रकार की कारोबार निरंतरता योजना तैयार रखें।

लेखा-परीक्षा

बैंक का बीसीपी, आंतरिक एवं बाह्य लेखापरीक्षा और नियामक प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर की जाने वाली समीक्षा के अधीन है।

संपर्क विवरण

महत्त्वपूर्ण: शाखा स्तर पर किसी भी कारोबारी व्यवधान की स्थिति में, ग्राहक अपने बैंकिंग लेनदेनों को सम्पन्न करने के लिए वैकल्पिक विकल्प जानने हेतु शाखा प्रमुख से संपर्क कर सकता है और उनसे संपर्क न होने पर हमारे क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। हमारे सभी शाखा एवं क्षेत्रीय कार्यालय के पूरा संपर्क विवरण हमारी 'सभी शाखा/कार्यालय' के अंतर्गत हमारे वेबसाइट के होम पेज पर उपलब्ध है।

सिंडिकेटबैंक

कृपया नोट करें कि यह सूचना आशोधन के अधीन है।

संस्करण 1.0

निर्गम की तिथि: 30/12/2011